**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 220**

**जिसका उत्तर 2 फ़रवरी, 2023 को दिया जाना है।**

**.....**

**नदियों को आपस में जोड़ना**

220. **श्री देवजी पटेल:**

**श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:**

**श्री प्रताप सिम्हा:**

**श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:**

**श्री रंजीतसिन्हा हिदुराव नाईक निम्बालकर:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में नदियों केा आपस में जोड़ने का राज्य-बार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में विभिन्न राज्यों में चल रही योजनाओं और प्रस्तावित योजनाओ का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त प्रयोजनार्थ चालू वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि कितनी है; और

(घ) नदियों को आपस में जोड़ने की व्यवहार्यता और सफलता पर सरकार की स्थिति या दृष्टिकोण क्या है?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)**

**(क) और (ख):** राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने का कार्य सौंपा गया है। एनपीपी के दो घटक हैं अर्थात हिमालयी नदी विकास घटक और प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक हैं। एनपीपी के अंतर्गत 30 संपर्क परियोजनाओं की पहचान की गई है। सभी 30 लिंकों की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) पूरी कर ली गई है और 24 लिंकों की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और 8 लिंकों की विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) पूरी कर ली गई है। केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) एनपीपी के तहत पहली लिंक परियोजना है, जिसका कार्यान्वयन आरंभ किया गया है। नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) की परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और उसका राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

**(ग):** भारत सरकार द्वारा केबीएलपी के लिए चालू वित्त वर्ष में 1,100 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। दिनांक 31.12.2022 तक परियोजना पर व्यय की गई कुल राशि 7,665 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्रीय अनुदान से 5,038.28 करोड़ रुपये और राज्य के बजट से 2,626.70 करोड़ रुपये शामिल हैं।

**(घ):** नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं के कार्यान्वयन में राज्यों का सहयोग सर्वोपरि है। देश भर में जल उपलब्धता और देश में जल सुरक्षा में असंतुलन का समाधान करने के लिए अधिशेष बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में अंतर-बेसिन जल अंतरण (आईबीडब्ल्यूटी) किया जाना आवश्यक है। आईएलआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पक्षकार राज्यों के बीच आम सहमति बनाकर आईएलआर कार्यक्रम को परामर्शी तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। भारत सरकार ने आईएलआर कार्यक्रम को प्राथमिकता दी है और इसमें तेजी लाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

केबीएलपी, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयासों और मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के सहयोग के परिणामस्वरूप कार्यान्वित की जाने वाली प्रथम इंटर-लिंकिंग परियोजना है। यह परियोजना केंद्र और राज्यों दोनों द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष प्रयोजन वाहन (केन-बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण) के माध्यम से लागू की जा रही है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा एक बड़ी राशि प्रदान की जा रही है।

****

**अनुलग्नक**

**"नदियों केा आपस में जोड़ना" के संबंध में 0202.202.3 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 220 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

## राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और राज्य-वार ब्यौरा

### प्रायद्वीपीय घटक

| क्र.सं. | लिंक का नाम | स्थिति | लाभांवित राज्य | वार्षिक सिंचाई (लाख हे.) | घरेलू और औद्योगिक (एमएम3) | हाइड्रो पावर (मेगावाट) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दोवलेश्वरम) लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश और ओडिशा | 4.43 | 700 | 450 |
| | वैकल्पिक महानदी (बारमुल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दोवलेश्वरम) लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश और ओडिशा | 6.25 (0.91 + 3.52 + 1.82**) | 700 (एमजीएल)[%] +125** | 210 (एमजीएल)[%] + 240** |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश | 2.1 | 162 | -- |
| 3 | क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक | एफआर पूर्ण | तेलंगाना | 2.87 | 237 | 975+ 70= 1,045 |
| | ख) वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक * | डीपीआर पूर्ण | तेलंगाना | 3.67 | 140 | 60 |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक | एफआर पूर्ण | तेलंगाना और आंध्र प्रदेश | 6.13 (1.09 + 5.04) | 413 | 27 |
| 5 | क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश | 5.81 | 124 | 90 |
| | ख) वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक * | डीपीआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश | 2.94 | 218 | 90 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | कृष्णा (श्रीशैलम) – पेन्नार लिंक | एफआर पूर्ण | -- | -- | -- | 17 |
| 7 | कृष्णा (अलमाटी) – पेन्नार लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश और कर्नाटक | 2.58 (1.9+0.68) | 56 | 13.5 |
| 8 | क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक | एफआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी | 4.91 (0.49+ 4.36 +0.06) | 1105 | -- |
| | ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक * | डीपीआर पूर्ण | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी | 2.83 (0.51+ 2.32) | 1098 (62+ 1036) | |
| 9 | कावेरी (कट्टलाई) - वैगई-गुंडार लिंक | डीपीआर पूर्ण | तमिलनाडु | 4.48 | 218 | -- |
| 10 | पार्वती-कालीसिंध - चंबल लिंक | एफआर पूर्ण | मध्य प्रदेश और राजस्थान | @एएलटी.I = 2.30 एएलटी.II = 2.20 | - 13.2 | -- |
| | पार्बती - कुनो - सिंध लिंक $ | पीएफआर पूर्ण | मध्य प्रदेश और राजस्थान | | | |
| | पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के साथ संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक का एकीकरण | पीएफआर पूर्ण | मध्य प्रदेश और राजस्थान | | | |
| 11 | दमनगंगा - पिंजल लिंक (डीपीआर के अनुसार) | डीपीआर पूर्ण | महाराष्ट्र (मुंबई के लिए एक मात्र जलापूर्ती)) | -- | 895 | 5 |
| 12 | पार-तापी-नर्मदा लिंक (डीपीआर के अनुसार) | डीपीआर पूर्ण | गुजरात और महाराष्ट्र | 2.36 (2.32 + 0.04) | 76 (डांग, नवसारी, वलसाड और नासिक जिलों की 27.5 लाख जनसंख्या के लिए) | 21 |
| 13 | केन-बेतवा लिंक | डीपीआर पूर्ण और कार्यान्वयन आरंभ | उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश | 10.62 (2.51 +8.11) | 194 | 103 (हाइड्रो) और 27 मेगावाट (सौर) |
| 14 | पंबा - अचनकोविल - | एफआर पूर्ण | तमिलनाडु और | 0.91 | -- | --- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वैपार लिंक | | केरल | --- | | 508 |
| 15 | बेदती - वरदा लिंक | डीपीआर पूर्ण | कर्नाटक | 0.60 | ---- | ---- |
| 16 | नेत्रवती - हेमवती लिंक *** | पीएफआर पूर्ण | कर्नाटक | 0.34 | -- | -- |

% एमजीएल: महानदी गोदावरी लिंक

** ओडिशा सरकार को 06 परियोजनाओं से लाभ।

@ एएलटी ।- गांधीसागर बांध के साथ लिंक; एएलटी ।।- राणा प्रतापसागर बांध के साथ लिंक

* गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की डीपीआर पूरी की गई। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)- पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

*** आगे के अध्ययन शुरू नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्णाटक सरकार द्वारा येतिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद इस लिंक के माध्यम से दिक्परिवर्तन के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अधिशेष जल उपलब्ध नहीं है।

$ राजस्थान की पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक का एकीकरण

**<u>हिमालय घटक</u>**

| **क्र.सं.** | **लिंक का नाम** | **स्थिति** | **लाभांवित देश/राज्य** | **वार्षिक सिंचाई (लाख हे.)** | **घरेलू और औद्योगिक (एमएम3)** | **हाइड्रो पावर (मेगावाट)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कोसी-मेची लिंक | पीएफआर पूर्ण | बिहार और नेपाल | 4.74 (2.99+1.75) | 24 | 3,180 |
| 2. | कोसी-घाघरा लिंक | ड्राफ्ट एफआर पूर्ण | बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल | 10.58 (8.17+ 0.67 + 1.74 ) | 48 | -- |
| 3. | गंडक - गंगा लिंक | एफआर पूर्ण (भारतीय भाग) | उत्तर प्रदेश और नेपाल | 34.58 (28.80+ 5.78 ) | 700 | 4,375 (बांध पीएच) और 180 (नहर पीएच) |
| 4. | घाघरा - यमुना लिंक | एफआर पूर्ण (भारतीय भाग) | उत्तर प्रदेश और नेपाल | 26.65 (25.30 + 1.35 ) | 1391 | 10,884 |
| 5. | सारदा - यमुना लिंक | एफआर पूर्ण | उत्तर प्रदेश और | 2.95 | 3054 | 3,600 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | उत्तराखंड | (2.65 + 0.30) | | |
| 6. | यमुना-राजस्थान लिंक | एफआर पूर्ण | हरियाणा और राजस्थान | 2.51 (0.11+ 2.40 ) | 30 | -- |
| 7. | राजस्थान-साबरमती लिंक | एफआर पूर्ण | राजस्थान और गुजरात | 11.53 (11.21+0.32) | 102 | -- |
| 8. | चुनार-सोन बैराज लिंक | ड्राफ्ट एफआर पूर्ण | बिहार और उत्तर प्रदेश | 0.67 (0.30 + 0.37) | -- | -- |
| 9. | सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ | पीएफआर पूर्ण | बिहार और झारखंड | 3.07 (2.99 + 0.08 ) | 360 | 95 (90 बांध पीएच) और 5 (नहर पीएच) |
| 10. | मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक | एफआर पूर्ण | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | 3.41 (2.05 + 1.00 + 0.36 ) | -- | -- |
| 11. | जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प) | पीएफआर पूर्ण | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | 3.559 (0.975+ 1.564+ 1.02) | 265 | 360 |
| 12. | फरक्का-सुंदरबन लिंक | एफआर पूर्ण | पश्चिम बंगाल | 1.50 | 184 | -- |
| 13. | गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक | एफआर पूर्ण | पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड | 12.30 (11.18+ 0.39+ 0.73) | 432 | -- |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी लिंक | एफआर पूर्ण | पश्चिम बंगाल और ओडिशा | 1.63 (0.18+ 1.45) | 198 | 9 |

*****